रात्रि क्लास 11-12-68 ओ.शान्ति शिव बाबा याद है?

कोई न कोई आदत अपने में डालनी चाहिए। यह तो बच्चे जानते हैं हम यह राजधानी स्थापन कर रहे हैं। तो फिर पुरानी दुनिया तो भूल ही जानी चाहिए। इस पुरानी दुनिया में रहते हुये, बच्चे जानते हैं हम योगबल से यह राजधानी स्थापन कर रहे हैं। अपने लिये कल्प कल्प निमल। यही अपना राज्य स्थापन करते हैं। यह बाबा युक्तियां बताते हैं। चित्र तो सभी अपने पास रख सकते हैं। सोने समय यही खयाल रहे हम यह स्थापन कर रहे हैं। तो जरूर इसमें आना है। ऐसी2 युक्तियां बच्चों में रहे तो खुशी रहेगी। सारा दिन में कुछ खिट2 होती है रात को यह देखे समझेंगे हम यह स्थापन कर रहे हैं, हर 5000 वर्ष बाद यह स्थापन करते हैं। सारा चक्र बुधि में आ जाता है। बाप युक्तियां बता रहे हैं। दैवीगुणभी चाहिए जरूर। दुविधा न होनी चाहिए। अर्थात खराब ख्याल न होना चाहिए। बाबा समझते हैं ऐसी प्रैक्टीस करने से बच्चे दिन प्रति दिन हर्षित होते रहेंगे। क्योंकि वह खुशी ही अन्त मते सो गति होती है। ऐसे बहुत हैं जो कृष्ण का शिव का चित्र रख देते हैं अर्थ कुछ नहीं। तुम यर्थात अर्थ समझते हो। भक्ति मार्ग में तो कुछ नहीं जानते ही हैं। तुम जानते हो हमने अनेक बार यह अपनी राजधानी स्थापन की है। इसमें याद की यात्रा भी आ जाती है। बाबा ने समझाया है म्युजियम एक बार स्थापना कराया। जो हुआ सो ड्रामा अनुसार पास्ट हो गया। फिर आगे के लिये समझाया जाता है। ऐसा न होना चाहिए। पहले2 यह ल0ना0 का चित्र ही आकर देखो। इन पर तुम अच्छी रीत समझा सकते हो। नई दुनिया की स्थापना हो रही है। पुरानी दुनिया का मौत सामने खड़ा है। समझते भी हैं कल परसों भी मौत हो जाये तो नियम नहीं। ऐसे होने से ही वर्ल्ड वार लग जाती है। आगे लड़ाईयां आपेद एक दो में करते थे। अभी तो है वर्ल्ड वार। तो यही होनी है। इनको पूरी वर्ल्ड वार कहा जाता। आगे चीनथोड़ेही लड़ा था। जब लड़ाई लगी थी। अफ्रीका अमेरिका भी नहीं लड़ा था। भल भारत ने मदद दी थी। यह तो बच्चे जान चुके हैं और बाप ने भी समझाया है यह सारी दुनिया खत्म होनी है। गुप्त लड़ाई है तुम बच्चों की। जिसको इनकागनिटो कहा जाता है। शिव शक्ति भारत माता। बन्दे मातरम्। राज्य भी करते हो फिर पूज्य भी बनते हो। निश्चय में यह (ल0ना0) चित्र बहुत मदद करती है। बाबा अनुभव बताते हैं। चित्र रखने से बहुत खुशी रहती था। बहुत प्यार करता था। ड्रामा अनुसार देखो कैसी कुदरती है जो अभी वही याद करते हैं हम यह बना रहे हैं। आगे यह पता नहीं था। सिर्फ प्यार करते थे। भिन्न2 प्रकार की ठाकुर होते हैं ना। छोटेपन से बहुत प्यार किया इनको। तो बच्चों को भी राय देते हैं यह युक्ति अच्छी है। बहुत हैं जो अनेक प्रकार के घटके खा खाकर सो जाते हैं। तो दुःख में यह चित्र बहुत सहारा बन सकते हैं। तुम जानते हो बाबा हमको यह बना रहे हैं। हम यह बन रहे हैं। रात को याद करने से दुःख दूर हो जाते हैं। बाबा आते ही एक आबजेक्ट को देखते हैं। कितनी मीठी एम आबजेक्ट है। मेहनत की बात नहीं। बेहद का बाप हमको यह बना रहे हैं। यही ज्ञान है जास्ती तकलीफ है नहीं। हम जानते हैं पुरानी दुनिया खत्म होनी है। हम यह बन रहे हैं। बाबा की श्रीमत पर हम स्थापन कर रहे हैं तो विनाश भी जरूर होना ना। कितनी थोड़ी बात याद करने की है। सेकण्ड की बात है। ऐसे प्रैक्टीस करते रहें तो खुशी का पारा चढ़ता रहेगा। चित्र अपने बेडरूम में रखा हुआ हो। चित्र तो छोटे भी हैं। यह बहुत मदद देता है। भक्ति मार्ग में इनका आक्युपेशन नहीं जानते हैं। तुम तो सभी के आक्युपेशन को जानते हो। ऐसा कोई मनुष्य दुनिया में होता नहीं जिसको एक की भी आक्युपेशन का पता हो। तो अन्दर में खुशी होनी चाहिए ना। किसको भी समझाते हो बोलो बाबा ब्रह्मा द्वारा यह स्थापन करते हैं विष्णु की राजधानी। इसमें सभी आ जाते हैं। शिव बाबा के चित्र पर भी लिखा हुआ है परमपिता परमात्मा शिव बाबा। यह भी बुधि में है हू बहू जैसे कल्प2 हम राज्य ~~करते हैं~~ लेते हैं। निश्चय बुधि विजयन्ति। यानि विजय माला में पिरोये जावेंगे। रात को बच्चों को हेर पड़ जावे तो फिर दिन को भी चलेंगे। वैज तो मिला है बच्चों को। आगे भक्ति मार्ग में चुम्बन करते थे। अभी याद करना है। इस नई दुनिया में हम जाते हैं। तुम्हारी उन्नति बहुत होनी। राज्य बहुत ~~करते~~

रात्रि- 11-12-67

होता जाता है। ऐसे नहीं सारी दुनिया में एकएक के पास जाकर मैसेज देना है। थोड़ा आये चलो नाम वाला हो फिर तो अखबारों द्वारा आवाज होगा। कोई बड़ा आदमी आये और ठका हो जाये। इन्हों का बेहद के बाप से वरसा पाने का बहुतउपाय है ऐसा कह दिया तो। बस। ढेर तुम्हारे पास आ जावेंगे। आवाज तो जरूर निकलना है। शास्त्रों में गायन है तुम शक्तियों ने बाण मारी है। इ यही लिखना है ब्रह्माकुमारियों पास ज्ञान बाण है।

यह है ही सहज राजयोगबल। किसको सीखना हो तो इनके पास जाओ। भल खुद न समझे। परन्तु सिर्फ ऐसे ही कह ~~दिया~~ दे तो कोई को तीर लग जाये। नाचार तो निकलना ही है। सेकण्ड में तुम बाप से वरसा पा सकते हो। अगर अच्छी रीत विचार सागर मथन करेंगे तो तुमको राय अच्छी लिखेंगे। पक्के बन जावेंगे। आठ की ही अंगुली दिखाते हैं। बस बेरा पार हो गया। अर्थात पुरानी दुनिया से नई दुनिया में गये बेरा पार। फिर पुरानी दुनिया में आने से बेरा गर्क हो जाता है। टाईम तो वही लेते हैं नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। रात को सोने समय समझो ऐसे विचार करो पास्ट इज पास्ट। जो कुछ हुआ नथींग न्यू। फायन्दस तो बहुत अच्छी समझ में जाती है। यह ड्रामा है ना। बाप कहते हैं सिमरण करते रहो। फिर औरों को भी सुनाओ। चक्र फिरता ही रहता है। यही याद करेंगे तो जैसे चक्र बुधि में फिरता रहेगा। अन्त में बच्चों को बहुत सहज भासता है। अच्छा मीठे2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट और नमस्ते।

रात्रि क्लास 12-12-68 :-

एक दिन बाहर में भी जावेंगे। चित्र ले जावेंगे। और फिर ओपिनीयन्स भी अच्छी2 निकलेंगे। गीता का भगवान कृष्ण नहीं है। गाड फादर है। फिर तो सर्वव्यापी की बात निकल जाती है। परन्तु पत्थर बुधि बिल्कुल ही समझते नहीं। तुम भी पत्थर बुधि थे ना। यह है ही फोरेस्ट आफ थोर्न्स। तुम से पूछेंगे तो कहेंगे बन्दर सेना है ना जो रावण पर जीत पहनते हैं श्रीपत पर। बाबा अभीभी भेज सकते हैं बाहर में परन्तु ऐसा योग्य हैंड है नहीं। विलायत में जाकर कोशिश कर हाथ करे ऐसा कोई है नहीं। शिव भगवानुवाच कहते हैं योगबल नहीं हैं बच्चों। यह खुद सभी जानते हैं योगबल कम है। कोई का अहंकार चल न सके। बाप सिखा कर बनाते हैं ज्ञान बाण में जोर चाहिए। फिर बाप खुद कहेंगे यह लायक बना है। अभी कोई कहे तो मैं अलो नहीं करूं। योगबल ही और बाप से बहुत प्रीत बुधि चाहिए। मूल बात है विनाश काले विप्रीत बुधि और विनाश काले प्रीत बुधि। वह देवतायें वह असुर। वह सतयुग के वह कलियुग के। उन्हों की लड़ाई कैसे हो सकती है। मनुष्यों की बुधि कैसी है। परन्तु बाप कहते हैं इस ड्रामा को मैं भी चेंज नहीं कर सकता हूं। नालेज बिल्कुल ही सहज है। अक्षर भी है भगवानुवाच। देह सहित देह के सभी सम्बन्ध छोड़ अपने को आत्मा समझ मुझे याद करो तो सजाओं बिगर घर आ जावेंगे। नहीं तो बहुत सजा खावेंगे। परन्तु अभी बच्चे प्रबल हैं। माया के बस हैं। जितना योग बल होगा उतना ही माया पर जीत पावेंगे। बाप कहते हैं पुरानी दुनिया स्वाहा हो जावेगी। क्योंकि तुम बच्चों के लिये नई दुनिया जरूर चाहिए। ऐसे कोई कह न सके बच्चे अपने लिये राजधानी स्थापन करो। अपने को राज योग का तिलक देने लायक बनाओ। याद की यात्रा का चन्दन घिसो तो तुम ~~विश्व के~~ विश्व के मालिक बन जावेंगे। बच्चे समझते हैं इस प्रकार से हम राजाई ले सकते हैं। सिर्फ टाईम लगता है क्योंकि युध है। आसुरी सम्प्रदाय दैवी सम्प्रदाय बनने वालों को दुःख देते हैं। यह सभी ड्रामा बना हुआ है। टिक टिक होती रहती है। ड्रामा का चक्र फिरता रहता है। तुम बच्चों को मालूम है कहां से टिक2 चली है कहां तक पहुंचे हो। इसलिये बाबा ने कहा था सेकण्ड का भी हिसाब निकालो। तुम्हारी बुधि में सारा ड्रामा चलता रहता है। जो जिसका पार्ट है वही बजाना है। दूसरा कोई बजा न सके। टाईम पास होता जाता है। ऐसा कोई नहीं जो समझे कि यह ड्रामा है। हर 5000 वर्ष बाद यह चलता ही रहेगा। बेहद की घड़ी है। यह लीवर है। बड़ी स्क्रुरेट है। इस सृष्टि रूपी चक्र को फिरने में 5000 वर्ष लगते हैं। तुम कहेंगे

अभी इतना समय पाप हुआ। टाईम पूछे कितना बजा है? बोलो हद का पूछते हो या बेहद का? बेहद की घड़ी में बाकी इतना समय हुआ है। हद का यह टाईम है। बेहद का टाईम यह है। वन्डर खावेंगे। यह वन्डर फुल बातें ~~सिख~~ सीख लो। किसी से पूछना चाहिए टाईम तो बताना बेहद का बताना हद का नहीं। आप नहीं बता सकते हो तो हम बताते हैं। मैं कोई हद का नहीं बताता हूं बेहद की घड़ी में 49 सौ इतना वर्ष हुआ है। बाकी 5000 पूरा होने में इतना बाकी है। यह वन्डरफुल बातें हैं ना। सारा ड्रामा हू बहू रिपीट होता रहता है। एक बार अनाउंसशुट किया जाता है वह चलता ही रहता है। इसमें सभी आ जाते हैं। बिमारी आदि का यहां नाम-निशान नहीं होगा। वहां हरेक चीज़ नई होंगी। नये2 बिमारियां तो यहां बहुतही निकलते रहते हैं। यह सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है यह समझाना भी सहज है। यह जानते हैं ना मैं क्या था फिर क्या2 पार्ट आया हूं। बच्चों को बाप कहते हैं अपना चार्ट रखो। तो भूल चुक का मालूम पड़ेगा। कैरेक्टर बिगड़ता विकार से है। देवताओं की है ही न्यूसलेस दुनिया। यह है विषस वर्ल्ड। दैवी कैरेक्टर जिनका गायन करते हैं ना। बच्चे जानते हैं हम 5000 वर्ष पहले नई दुनिया में देवी देवता थे। बाजोली खेलते आये हैं। विराट रूप में चोटी दिखाई नहीं है। मुंह और माथा अलग है ना। देवताओं का मुंह दिखाया है माथा की मुख्य है चोटी। आगे चोटी और जनेव निशानी होती थी।

यह सभी बातें तुम बच्चों के ख्याल में है आत्मा कितनी छोटी है। इन में जरा भी फर्क पड़ नहीं सकता। आत्माएं तो सभी एक जैसी हैं ना। आत्मा बिन्दी है बाकी खेल सारा इस शरीर साथ चलता है। बाप कितना वन्डरफुल है। फिर वन्डरफुल है आत्मा। इन सभी आत्माओं का वह फादर है। तो ऐसे 2 पुरुषार्थ के विचार चलते हैं ना। बहुत महीन नालेज तुम बच्चों को मिल रही है। सभी से वन्डर है कितनी छोटी सी आत्मा। कितना पार्ट बजा रही है। शरीर भी देखो कैसे बनते हैं। कैसे किस2 के जानवर जीव-जन्तु आदि होते हैं। इतने बड़े बड़े होते हैं जो समुद्र से उतर कर उन जानवरों के पीठपर खाना आदि बनाते हैं। और समुद्र से ही कितना खाना मनुष्य खाते हैं। आधा पेट समुद्र से मिलता है। सतयुग में थोड़े ही समुद्र का खाना पड़ेगा। सभी से वन्डरफुल है आत्मा। उनका पार्ट कब पूरा नहीं होता। इसलिये बाप कहते हैं मैं गुह्य2 वन्डरफुल बातें सुनाता हूं। स्टुडेन्ट कब कहते हैं हमको टीचर याद नहीं पड़ता। बच्चे कहते हैं क्या कि बाप याद नहीं पड़ता। यहां है माया जो बच्चों को बाप भूलाती है, स्टुडेन्ट को टीचर भूलाती है, फालोअर्स को गुरु भूलाती है। माया तीनों को भूला देती है। अच्छा रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडनाईट रूहानी बच्चों को रूहानी बाप का नमस्ते।

बाप ने समझाया है मैं हूं एक बहुत बड़ा बेहद का बागवान। तो तुम जानते हो इस बागवान को अपने बगीचे को देख कितनी खुशी होती होगी। अनेक किस्म के बगीचे आते हैं। इनमें हर प्रकार के फूल होते हैं। कोई गुलाब के मोतिये की कोई चम्पा की कोई टांगर कोई अक के भी फूल हैं। तो बागवान की नजर किस पर ~~पर~~ जायेगी। जरूर गुलाब के फूल पर ही जायेगी। हां वह भी जानते हैं सभी प्रकार के फूल मेरे सामने बैठे हैं तो क्या अक के ऊपर नजर जायेगी अक को प्यार करेंगे? नहीं। वहां से प्यार हटकर जो गुलाब का फूल होगा वहां जाकर पड़ेगी। इसलिये बाप समझाते हैं बच्चे कोई भी गफ्लत मत करो। हर बात में श्रीमत पर चलो। ~~किसी~~ किसी प्रकार का लोभ आदि भी मत करो। लोभ भी नुकसान कारी है। तुम बाप से पूछ सकते हो यह धंधा करें इससे यज्ञ को फायदा है इससे यज्ञ को मदद मिल सकती है तो बाप कहेंगे करो या न करो। पर श्रीमत तो लेनी है ना। तो कोई भी बात में बच्चों को गफ्लत नहीं करनी चाहिए। कोशिश करना चाहिए गुलाब का फूल बन बाप का प्यार को खेंच सके। लवली स्टोटेस्ट बाप की प्यार को कशिश कर सके। जितना बाप कोकोशिश करेंगे उतना बाप भी कोशिश करेंगे ना। अच्छा।